ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

आज का अभ्यास:

आज की मुरली की कोई भी एक पॉइंट पर विचारसागरमंथन कर उसे अपने डायरी में लिखना है ।

THE BRAHMA KUMARIS
GERMANY

Swayam ke Swabhaav Sanskar ka Paper

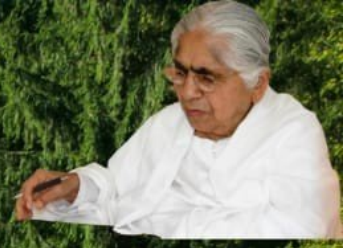

स्वासों का खज़ाना, समय के महत्व प्रमाण एक का पद्म गुणा या बनने के वरदान का समय समझने से अर्थात् कर्म और फल की गुह्य गति समझने से, व्यर्थ स्वासों को सफल बनाने की सदा स्मृति रहने से, श्रेष्ठ कर्मों का खाता वा श्रेष्ठ कर्मों का सूक्ष्म संस्कार रूप में बना हुआ खज़ाना स्वत: ही भरता जाता है। तो 'सर्व खज़ानों के जमा का आधार समय के श्रेष्ठ खज़ानों को सफल करो' तो सदा और सर्व सफलता मूर्त्त सहज बन जाएंगे। लेकिन करते क्या हो? अलबेला अर्थात् करने के समय करते हुए भी उस समय जानते नहीं हो कि कर रहे हैं, पीछे पश्चात्ताप करते हो। इस कारण डबल, ट्रिपल समय एक बात में गंवा देते हो। एक करने का समय, दूसरा महसूस करने का समय, तीसरा पश्चात्ताप करने का समय, चौथा फिर उसको चैक करने के बाद चेंज करने का समय। तो एक छोटी सी बात में इतना समय व्थर्थ कर देते हो। और फिर बार-बार पश्चात्ताप करते रहने के कारण, कर्मों का फल संस्कार रूप में पश्चात्ताप के संस्कार बन जाते हैं। जिसको साधारण भाषा में 'मेरी आदत' या नेचर (NATURE;प्रकृति व स्वभाव) कहते हो। नेचुरल नेचर ब्राह्मणों की सदा सर्व प्राप्ति की है। अर्थात् ब्राह्मणों के आदि अनादि संस्कार विजय के हैं अर्थात् सम्पन्न बनने के हैं। पश्चात्ताप के संस्कार ब्राह्मणों के नहीं हैं। यह क्षत्रियपन के संस्कार हैं। चंद्रवंशी के संस्कार हैं। सूर्यवंशी सदा सर्व प्राप्ति सम्पन्न स्वरूप है। चंद्रवंशी बार-बार अपने आप में वा बाप से इन शब्दों में पश्चात्ताप करते हैं - ऐसे सोचना नहीं चाहिए था, बोलना नहीं चाहिए था, करना नहीं चाहिए था, लेकिन हो गया, अब से नहीं करेंगे। कितने बार सोचते वा कहते हो। यह भी रॉयल रूप का पश्चात्ताप ही है। समझा? कौन से संस्कार हैं? सूर्यवंशी के वा चंद्रवंशी के? बहुत समय के संस्कार समय पर धोखा दे देते हैं। तो पहले स्वयं को स्वयं के धोखे से बचाओ तो समय के धोखे से भी बच जायेंगे। माया के अनेक प्रकार के धोखे से भी बच जायेंगे। दु:ख के अंश मात्र के महसूसता से सदा बच जायेंगे, लेकिन सर्व का आधार - 'समय को व्यर्थ नहीं गंवाओ।' हर सेकेण्ड का लाभ उठाओ। समय के वरदानों को स्वयं प्रति और सर्व के प्रति कार्य में लगाओ। अच्छा।23-04-1977

Achanak Aur Eveready

"दुःख अथवा गाली में भी कल्याण"

बाप-दादा का माताओं से आदि से विशेष स्नेह है। यज्ञ की स्थापना में भी विशेष किसका पार्ट रहा, निमित्त कौन बने? और अन्त में भी प्रत्यक्षता और विजय का नारा लगाने में निमित्त कौन बनेंगे? मातायें। संगम पर गोपिकाओं का विशेष पार्ट है, गोपी-वल्लभ गाया हुआ है। मातायें सदैव यह इच्छा रखती हैं - ऐसा हमें अपना बनावे जो श्रेष्ठ हो, अच्छा वर मिले, अच्छा घर मिले। जब बाप ने अपना बनाया तो और क्या चाहिए? कोई भी इस कल्याणकारी युग में परिस्थिति आती है तो उस परिस्थिति को न देख, वर्तमान को न देख, वर्तमान में भविष्य को देखो। मानो कोई दुःख देता है व गाली देता है, तो उसमें भी यह देखो कि मेरा कल्याण है। कल्याण यह है कि वह दुःख अथवा गाली ही सुखदाता की याद के नजदीक लायेगी। बाहर के रूप से न देखो, कल्याण के रूप से देखो तो कोई भी परिस्थिति, कठिन परिस्थिति नहीं लगेगी। इससे अपनी उन्नति कर सकोगे। अच्छा!

अव्यक्त बापदादा - 23-01-76

/AvyaktMurliEssence

शरीर हमारा रथ हैं, हम सारथी है

आप बताइए , रथ सारथी के वश होना चहिए या फिर सारथी रथ के वश होना चहिए ? आप कहेंगे निश्चित रूप से रथ सारथी के वश में होना चाहिए अन्यथा दुर्घटना घट सकती हैं । ठीक उसी प्रकार शरीर हमारा रथ हैं । और हम आत्मा शरीर रूपी रथ की मालिक अर्थात सारथी हैं । किंतु अगर शरीर की कर्मेंद्रियां वश में नहीं है तो सारथी (आत्मा) को नुकसान हो सकता हैं। मालिक बन आंख , कान , मुख , हाथ से वो ही कर्म कराएं जो उचित हैं अर्थात सर्व के हेतु लाभदाई हैं। अब कैसा सारथी बनना हैं ये निर्णय आपका है

BK Dr.Damini

शिवशक्ति सरस्वती माँ

मम्मा ने कभी अपना शो (दिखावा) नहीं किया। वह कितनी सेवा करती थीं लेकिन कभी अपने मुँह से कहा ही नहीं कि मैंने इतनी सेवा की। मम्मा डेढ़ मास सेवा करके बेंगलूर से पूना आयी थीं। उन्होंने बहुत सेवा की थी परन्तु फिर भी नहीं सुनाया कि यह यह सेवा करके आयी हूँ। मम्मा अपने बारे में, किये हुए कार्य के बारे में कभी दूसरों को नहीं बताती थीं। वे जितना त्यागी थीं, उतना ही वैरागी थीं और उतना ही तपस्वी थीं।

“ Steps To Charge YOUR Battery

- Morning Meditation
- Spiritual Study
- Satvik Food
- Avoid Negative Information
- 1 min Affirmation every Hour
- Meditation before Sleeping

CHARGED BATTERY radiates Happiness and Love ”

BKShivani

Brahmakumaris Om Shanti Retreat Centre

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org